

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

13.10.87

सं. 396]
No. 396]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 3, 1987/श्रावण 12, 1909
NEW DELHI, MONDAY, AUG. 3, 1987/SRAVAN 12, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

धर्म मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1987

मणिभूषना

का.धा. 757(ष) -- बाल श्रमक (प्रतियोध और विनायक) भ्रष्टाचार, 1986 का धारा 1
की उपधारा (3) द्वारा प्रदल शक्तियों का पर्योग करने हृष केन्द्रीय सचिवालय बालकों की कार्य दणाएँ विनिय-
यित करने के उद्देश्य में उन प्रशिक्षितों पर, जहाँ उनके गामन विवें गज्जा/पथ गत्वा भ्रेत्रों में सचावित की
जा रही निम्नलिखित प्रक्रियाओं में, उनके ग्राहन के भाग [II] के उपर्योग को लागू करना है।

1. जर्मा बनाना और कशीदाकारी—दिल्ली श्री उत्तर प्रदेश
2. अद्युम्य रनों की पालिश करना—गुजरात और गजस्थान

3. स्लेट और स्लेट एमिल विनिर्माण—मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश

[एम. 20725/60/86-सी एल]

प्रशासक नारायण, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 3rd August, 1987

NOTIFICATION

S.O. 757 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section I of the Child Labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986, the Central Government in order to regulate the conditions of work of children, applies the provisions of Part III of the Act of the establishments where the following processes are carried on in the States/Union territories mentioned against them:—

1. Zari Making and Embroidery	Delhi and Uttar Pradesh.
2. Precious Stone Polishing	Gujarat and Rajasthan.
3. Slate and Slate pencil manufacturing	Madhya Pradesh and Uttar Pradesh

[No. S-27025/60/86-CL]

ASHOK NARAYAN, Jt. Secy.